46वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह की उदघाटन फिल्म "दि मैन हू न्यू इनफिनिटी" में श्रीनिवास रामानुजम की आत्मा का समावेश है.

...............सैय्यद महमूद नवाज़

46वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह की शुरूआत निर्देशक मैथ्यू ब्राउन की फिल्म 'दि मैन हू न्यू इनफिनिटी' से हुई। प्रेसमैन फिल्म्स के एडवर्ड प्रेसमैन, जॉय थॉमस तथा अन्य इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। क़रीब एक करोड़ डॉलर के बजट की इस फ़िल्म का निर्माण लगभग दस वर्षों में पूरा हुआ और यह इसी नाम से रामानुजम के जीवन और काल पर राबर्ट कनिगेल द्वारा रचित पुस्तक पर आधारित है। **निर्देशक मैथ्यू ब्राउन ने कहा कि मेरी चाची ने राबर्ट की पुस्तक मुझे भेंट की थी और मैं इसे पाकर भीतर तक रोमांचित हो गया था, जिसके जरिये भारतीय गणित के प्रतिभावान व्यक्ति रामानुजन के स्वप्नों को शब्दों में पिरोया गया है-उनकी यात्रा इतनी प्रेरणादायक थी कि मैंने यह फ़िल्म बनाने का फ़ैसला कर लिया।** उन्होंने आगे कहा, "मैंने रामानुजन में मौजूद अदभुत व्यक्तिश: संबंधों को पाया और मुझे यह विचार अच्छा लगा कि मनुष्य के लिये उनके गणित में आध्यात्मिकता का संचार हुआ है, साथ ही मैं इसके कुछ दूरस्थ रहस्यवादी मार्ग से तुलना नहीं करना चाहता कि कुछ पश्चिमी देशों में भी इसके होने का अनुभव हो सकता है।

कोई औपचारिक प्रशिक्षण न होने के बावजूद, श्रीनिवास रामानुजन ने दुनिया के सामने ये प्रमाण पेश कर दिया कि वे गणित की जटिलताओं की बारीकियों को अच्छी तरह से जानते हैं। वे रॉयल सोसाइटी के अध्येता बनने के लिये गये। हालांकि रामानुजन इस दुनिया के लिये मात्र 32 वर्ष तक ही जीये, लेकिन वे गणित की दुनिया पर एक अमिट छाप छोड़कर गये हैं। इस प्रतिभावान व्यक्ति ने करीब 4000 समरूपताओं और समानताओं का संकलन किया था। उनकी प्रमेयों के नमूने देखने के बाद कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जी.एच.हार्डी ने उन्हें कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में आमंत्रित किया था। हार्डी उनका संरक्षक बन गये और उनकी प्रतिभा को उज़ागर करने तथा दुनिया के सामने इसका खुलासा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हार्डी के लिये यह आसान काम नहीं था क्योंकि उन्हें रामानुजन के बारे में दूसरो को समझाने और रामानुजन को उनके गणितीय परिणामों को लेकर सुसंगत साक्ष्यों के बारे में समझाने के वास्ते कड़ी मेहनत

करनी पड़ी। जब उनसे पूछा गया कि गणित में उनका क्या महान योगदान था, हार्डी ने उत्तर दिया यह रामानुजन की ही खोज़ थी।

कैम्ब्रिज में रूकने के पश्चात, रामानुजन अपने परिवार के साथ रहने के लिये भारत लौट आये, परंतु वे केवल एक वर्ष तक ही जीवित रह पाये। उनके आख़िरी वर्ष के क़रीब 100 पृष्ठों के नोट्स बाद में इंग्लैंड ले जाये गये और वे ट्रिनिटी कालेज, कैम्ब्रिज की रेन लाइब्रेरी में रामानुजन अभिलेखागार का हिस्सा बन गये। अब भौतिक विज्ञानी और गणितज्ञ स्ट्रिंग सिद्धांत, ब्लैक होल और मात्रात्मक गुरूत्वाकर्षण पर अपने शोध में इनका इस्तेमाल कर रहे हैं।

राबर्ट केनिगेल ने एक बार कहा था, "जो व्यक्ति अनंत संख्या को जानता है वह केवल गणित के बारे में नहीं है; यह रामानुजन और हार्डी के बीच शक्तिशाली बंधन के बारे में है और इसने किस प्रकार से उनके जीवन को मूर्त रूप दिया है". फिल्म के निर्देशक मैथ्यू ब्राउन, जो स्वयं एक लेखक हैं, ने कहा कि उन्हें कनिगेल की पुस्तक को लेकर कोई आपत्ति नहीं है। दरअसल उन्होंने फिल्म परियोजना के लिये अत्यधिक समर्थन के लिये कनिगेल की प्रशंसा की। ब्राउन ने कहा, "राबर्ट ने मेरे लिये अपने सभी शोध खोल दिये और तुरंत ही हम मित्र बन गये।

फिल्म में रामानुजन की भूमिका युवा और प्रतिभावान देव पटेल ने तथा उनकी पत्नी की भूमिका शोभायमान देविका भिसे ने निभाई। मशहूर अभिनेता जेरेमी ऑयरन्स ने प्रोफेसर जी एच हार्डी की भूमिका निभाई। अन्य कलाकारों में केविन मैकनेली, अरूणधति नाग, धरितमैन चैटर्जी, शाज़द लतीफ, एंथनी काफ, रोजर नारायण, जेरेमीनाथमैन, स्टीफन फ्राई, टोबी जोन्स शामिल हैं।

गणित के विशेषज्ञों से प्राप्त इनपुट्स ने भी पूरी परियोजना में प्रामाणिकता को संबद्ध किया है। स्वाति भिसे, एक प्रमुख भरतनाट्यम नृत्यांगना, जो कि अयंगेर संस्कृति से भलीभांति सुपरिचित हैं, ने भी इसके कार्यकारी प्रस्तुतकर्ताओं में शामिल होने के अलावा फिल्म के निर्माण में सृजनात्मकता के योगदान में अपनी प्रतिभा का इस्तेमाल किया।

'दि मैन हू न्यू इनफिनिटी' जैसी फिल्म हमें अपनी विरासत को लेकर आनंद प्रदान करती हैं और रामानुजन जैसे महान व्यक्तियों के योगदान को स्मरण कराती हैं जिन्होंने अपने जीवन में कठिन स्थितियों का सामना करने के बावजूद कभी ऊंचाइयों को छूने और दुनिया को प्रकाश दिखाने में कभी वातावरण को बाधक नहीं बनने दिया। श्रीनिवास रामानुजन के कार्य दुनिया भर में लोगों के लिये सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

*****

(सैय्यद महमूद नवाज़ 'मुस्तक़बिल', नई दिल्ली के विशेष संवाददाता हैं)